BA Part II (H)

Paper III

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

Lecture VIII

अनुसूचित जातियों के समस्याओं का निराकरण =)

II) सहायता के कदम = अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए गैर सरकारी संस्थाओं को सरकार आर्थिक सहायता भी प्रदान करती है राज्य तथा जिला स्तर पर अनुसूचित जातियों को विशेष सहायता प्रदान की जा रही है। पुस्तकों, पत्रिकाओं, विज्ञापनों और छोटी फिल्मों द्वारा अस्पृश्यता विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न जिले में हरिजन कल्याण अधिकारियों के कार्यालय भी स्थापित किए गए है। इन कार्यालयों द्वारा अनुसूचित जाति को औद्योगिक तथा शिक्षा संबंधी अनेक प्रकार की सहायता दी जाती है।

III) कल्याणकारी कदम - अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए सरकार की ओर से जो कार्य किए गए हैं, उनमें से कुछ प्रमुख कार्य निम्नलिखित है -

2020-8-4 14:05

(1) अनुसूचित जातियों के लिए लोकसभा में उनकी जनसंख्या के अनुपात में सीटों का आरक्षण किया गया है। इसी प्रकार विभिन्न राज्यों के विधान मंडलों के अंदर भी अनुसूचित जातियों के लिए सीटें सुरक्षित रखी गई हैं।

(2) प्रतियोगिता के आधार पर की जाने वाली सरकारी नियुक्तियों में SC के लिए 15% तथा अन्य नियुक्तियों में 16.7% स्थान सुरक्षित किए गए हैं। आयु तथा योग्यता संबंधी छूट भी इनको दी जाती है।

(3) अनुसूचित जातियों के बच्चों के लिए शिक्षा संबंधी विशेष सुविधाएं दी जाती हैं।

(4) अनुसूचित जातियों की आर्थिक उन्नति के लिए उन्हें विशेष प्रकार की शिक्षा और प्रशिक्षण संबंधी सहायता दी जाती है।

(IV) गैर सरकारी प्रयास ⇒ हरिजन सेवक संघ ने हरिजनों के लिए मंदिर प्रवेश, कुटीर उद्योगों की स्थापना और शिक्षा प्रसार के कार्यक्रमों का आयोजन किया। रामकृष्ण मिशन, सर्वेंट्स ऑफ इण्डिया सोसायटी आदि सामाजिक संस्थाएं भी अनुसूचित जातियों के कल्याण और उत्थान के लिए विभिन्न प्रकार के कार्य करती हैं। इसी प्रकार दलित वर्ग तथा SC संघ आदि हरिजन संस्थाएं भी विचार गोष्ठियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य रचनात्मक योजनाओं के द्वारा SC के उद्धार के लिए प्रयत्नशील हैं।

2020-8-4 14:05